


---

Pashyatu Vimale PakshiganAn

——  
पश्यतु विमले पक्षिगणान्

——  
Document Information



---

Text title : Pashyatu Vimale Pakshiganan

File name : pashyatuvimalepakShigaNAn.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Ranjit Varma

Latest update : April 22, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 22, 2023

*sanskritdocuments.org*



---

Pashyatu Vimale PakshiganAn

—  
—  
पश्यतु विमले पक्षिगणान्  
—  
—

पश्यतु विमले पक्षिगणान् मृदुलसुशोभनपक्षधरान् ।  
चातकसारसकाकपोतमयूरगणा इह नन्दन्ति ॥ १ ॥  
गायति कोकिलको रुचिरं नृत्यति बर्हिणः ।  
सकुतूहलमिह पश्यति सर्वं का का कुर्वन् वायसः ॥ २ ॥  
हरि ॐ! कथयति कादम्बो डूं डूं विलपति दात्यूहः ।  
टुं टुं शब्दं कृत्वा गच्छति दार्वीघाटो रुचिराङ्गः ॥ ३ ॥  
गच्छति कुहरं कञ्जनः पृच्छति कुशलं खञ्जनः ।  
कम्पितशीर्षशरारिर्गच्छति का का कुर्वन् कासारम् ॥ ४ ॥  
ध्यानं कुरुते बकराजो मौनं भजते शुकराजः ।  
गगनं प्रति गतिवेगं कुर्वन् डयते गरुडः खगराजः ॥ ५ ॥  
सरसि सरति खलु सारसो मनसि वसति किल सारङ्गी ।  
उषसि विहायसि सखिजनसहिता विविधविहङ्गा विहरन्ति ॥ ६ ॥  
केचन मधुरं विलपन्ति ह्यन्ये नितरां विलसन्ति ।  
कलपिलकलकलबहुविधनिन्दैः तोषितमित्थं मम चित्तम् ॥ ७ ॥

- रणजित वर्मा

---

Pashyatu Vimale PakshiganAn

pdf was typeset on April 22, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

